कीटनाशक और स्वास्थ्य का संकट

दीनबन्धु बाग

3 दिसम्बर 1984 की रात भोपाल के एक कीटनाशक बनाने वाले संयंत्र से अचानक घातक मिथाइल आइसो सायनेट गैस रिसने लगी। यूनियन कार्बाइड के इस हादसे ने लगभग 3000 लोगों की जान ले ली और सैकड़ों हज़ार लोगों को बीमार कर दिया। लगभग इसी समय अमरीका के पश्चिमी वर्जीनिया में भी कुछ ऐसी ही दुर्घटनाएं हुईं। इन और इन जैसी तमाम दुर्घटनाओं ने कीटनाशकों के इस्तेमाल से जुड़े खतरों की ओर जनता का ध्यान खींचा। साथ ही जन स्वास्थ्य और कृषि में रसायनों के उपयोग बाबत लोगों के सूचना के अधिकार की ज़रूरत को रेखांकित किया।

कीटनाशक को किसी ऐसे तत्व या तत्वों के मिश्रण के रूप में परिभाषित किया जाता है जो किसी भी तरह के कीटों को नष्ट करता है या उससे बचाता है या उस पर नियंत्रण रखता है। ये कीट मनुष्य या जानवरों में बीमारियों के वाहक भी हो सकते हैं और पौधों और पशुओं की अवांछित प्रजातियां (खरपतवार) भी। इनमें प्रयुक्त पदार्थों में फसल की वृद्धि का नियमन करने, अविकसित फलों को गिरने से रोकने, फलों का सूखना रोकने, पत्तों का झड़ना रोकने और फसलों के संरक्षण में सहायक तत्व होते हैं।

कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग विभिन्न स्वास्थ्य और पर्यावरणीय समस्याओं को जन्म दे सकता है। खतरनाक कीटनाशकों के असुरक्षित रख-रखाव व इसके दुरुपयोग से छिड़काव करने वाले किसानों और खेतिहर मज़दूरों पर विषैले प्रभाव पड़ सकते हैं। लम्बे समय तक इनके सम्पर्क में रहने से हृदय और फेफड़े सम्बंधी, तंत्रिका तंत्र, त्वचा रोग एवं भ्रूण विकृति, गर्भपात, शुक्राणुओं की संख्या घटना आदि जैसे स्थाई रोग हो सकते हैं। फिलीपीन्स में 1980 से 87 के बीच कीटनाशकों के तीव्र विषाक्त प्रभाव के 4031 मामले सामने आए। मानव स्वास्थ्य के अतिरिक्त कीटनाशक गंभीर इकॉलॉजिकल नुकसान (जैसे मछलियों, वन्य जीवन और पक्षियों पर प्रभाव, भूमिगत जल एवं वेटलैण्ड्स या नमभूमि के नाजुक पर्यावरण के प्रदूषण आदि) का कारण भी बन सकते हैं।

कीटनाशक को क्या मालूम कि कब मारना बन्द करना है !

इस नुकसान को कम करने के लिए ऐसी नीतियां बनानी चाहिए जो खतरनाक रसायनों को प्रतिबंधित करती हैं या उनके सीमित उपयोग पर ज़ोर देती हैं। भारत में जन स्वास्थ्य और कृषि में रसायनों का उपयोग कितना विस्तृत है? कीटनाशकों के मानव पर खतरे किस हद तक बढ़ गए हैं? इन्हें प्रतिबंधित या सीमित करने को कैसे उचित ठहराया जा सकता है? यहां हम रसायनों के समग्र उपयोग पर एक नज़र डालते हुए कृषि में इनके उपयोग तथा मानवीय स्वास्थ्य पर इसके संभावित खतरों या दुष्परिणामों का आकलन करेंगे। हम स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावों को कम करने के लिए कीटनाशकों पर अस्थाई प्रतिबंध लगाए जाने की अनापेक्षित नीतियों पर भी सवाल उठाते हैं।